# एशियन ग्रेसाइल स्किंक (Asian Gracile Skink)

sanskritiias.com/hindi/pt-cards/asian-gracile-skink

- सरीसृप विज्ञानियों के एक दल ने **पश्चिमी घाट में 'सिन्सिडे' (Scincidae) कुल की एक 'एशियन ग्रेसाइल स्किंक' (छिपकली) की खोज** की है। यह पूर्वी घाट में पाई गई 'सब्डोलूसेप्स पृथि' (Subdoluseps pruthi) से काफी मिलती-जुलती है।
- यह नई प्रजाति **शुष्क पर्णपाती वनस्पति वाले क्षेत्र में मिली** है। इससे स्पष्ट होता है कि हमारे देश के शुष्क क्षेत्रों में भी स्किंक की ऐसी कई प्रजातियाँ रहती हैं, जिनकी अब तक खोज ही नहीं की गई। इस **नई प्रजाति को 'सब्डोलूसेप्स नीलगिरिन्सिस' ((Subdoluseps nilgiriensis) नाम दिया गया** है।
- **अधिकांश स्किंक्स दिनचर होते हैं और छिपकर रहते** हैं। साथ ही, अधिकांशतः पकड़ में न आने के कारण इनके प्राकृतिक एवं उद्विकासीय इतिहास के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं है। पिछली सहस्राब्दी में **भारत की मुख्य भूमि पर खोजी गई यह स्किंक की तीसरी प्रजाति** है।
- **स्किंक ज़हरीली नहीं होती** हैं। छिपे हुए लिंब तथा ज़मीन पर चलने के ढंग की वजह से ये **साँप जैसी दिखती हैं,** इसी भ्रम में लोग इस जीव को मार देते हैं।
- अभी तक 'सब्डोलूसेप्स नीलगिरिन्सिस' की प्रजनन एवं भोजन संबंधी आदतों के बारे में अध्ययन नहीं किया गया है। **फिलहाल इसे संकटग्रस्त प्रजाति (Vulnerable species) माना गया** है क्योंकि इस क्षेत्र में होने वाली मौसमी दावानल की घटनाओं, गृह निर्माण कार्य तथा ईंट-भट्टों के कारण इसके अस्तित्व पर खतरा उत्पन्न हो गया है।

IAS / PCS
Online Video Course
सामान्य अध्ययन
+
वैकल्पिक विषय
(इतिहास एवं भूगोल)
15% Discount for
Next 500 Students
Online
Learning
Programme
JOIN NOW

IAS / PCS
Pendrive Course
सामान्य अध्ययन
+
वैकल्पिक विषय
(इतिहास एवं भूगोल)
15% Discount for Next
500 Students